भारत भवन में एकल चित्र प्रदर्शनी

ह्यूमन सेल से प्रेरित आर्टवर्क में जीवन के इमोशन और लाइंस को अनुमेहा ने कैनवास पर उकेरा

भोपाल, 15 जुलाई. कला को विज्ञान से जोड़ते हुए तैयार किए गए खूबबूरत आर्टवर्क मंगलवार को भारत भवन के रंगदर्शनी दीर्घा में प्रदर्शित हुए. रूपाभ श्रृंखला के तहत आयोजित इस प्रदर्शनी में दिल्ली की युवा कलाकार अनुमेहा जैन के एकल चित्रों को प्रदर्शित किया गया. 20 जुलाई तक चलने वाले इस प्रदर्शनी में अनुमेहा के कुल 83 चित्रों को प्रदर्शित किया गया है. एब्सट्रैक्ट फॉर्म में तैयार इन चित्रों में अनुमेहा ने ह्यूमन सेल (मानव कोशिका) को प्रेरणा बनाया है.

कलाकार अनुमेहा ने बताया कि जीवन की हर प्रक्रिया की जड़ यही कोशिकाएं हैं, जिनसे ही व्यक्ति के इमोशन, अनुभव और अस्तित्व की यात्रा शुरू होती है. लगभग एक दशक से रंग कला के क्षेत्र में कार्य रह रही अनुमेहा ने बताया, हमारे शरीर के हर सेल एक अलग जीवन कहानी कहता है. हर सेल में हमारी भावनाएं, संघर्ष, ऊर्जा और विकास की पूरी यात्रा छुपी है. मैंने इन्हीं लाइंस और इमोशन को अपने आर्टवर्क में दिखाने की कोशिश की है. इस अवसर पर कला समीक्षक प्रयाग शुक्ल, चित्रकार अखिलेश वर्मा, पद्मश्री कलाकार हरचन्दन सिंह भट्टी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल मुख्य रूप से उपस्थित हुए.

इस आर्टवर्क को बनाने में उन्होंने एक्रेलिक, वाटर कलर और मलेशियन इंक का उपयोग किया है. अनुमेहा का कहना है कि एक्रेलिक पेंट्स उन्हें सेल की ताकत और ठोस संरचना दिखाने में मदद करते हैं, जबकि वाटर कलर से सेल के भीतर के तरलता और मूवमेंट को उन्होंने बारीकी से दर्शाया है. वहीं मलेशियन इंक ने उनके आर्टवर्क को गहराई और इंटेंसिटी दी, जिससे कला की अनुभूति और अधिक प्रभावशाली हो गई. अनुमेहा का मानना है कि कला का उद्देश्य सिर्फ सुंदरता नहीं, बल्कि विज्ञान और जीवन के रहस्यों को भी सरल भाषा में प्रस्तुत करना है.

प्रकृति के संग काम करना पसंद

अनुमेहा ने कहा कि उन्हें शुरुआती समय में फिगरेटिव आर्ट में काम करना पसंद था. लेकिन धीरे धीरे वह प्रकृति के करीब गईं और इस क्षेत्र में कार्य उन्होंने आरंभ किया. इन आर्टवर्क को तैयार करने के लिए अनुमेहा ने एक्रेलिक कलर, वाटर कलर और मलेशियन इंक का उपयोग किया. मलेशियन इंक की विशेषता है कि इसमें एक अलग टेक्चर बनता है जो आर्टवर्क को आकर्षक बनाता है. प्रदर्शित चित्रों में अनुमेहा ने श्रृष्टि संरचना के शंखनाद,पिघलते हुए ग्लेशियर और मां-पुत्र के प्रेम को ग्रेफाइट ऑन पेपर पर प्रस्तुत किया.

राज्यमंत्री गौर ने धान की कटाई मशीन की लांच

भोपाल. मध्यप्रदेश सरकार में राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने अपने बंगले पर धान की कटाई की मशीन की लांचिंग की. इस मौके पर संबंधित कंपनी के अधिकारी भी मौजूद रहे.

आपात स्थितियों से निपटने एम्स में प्रशिक्षण

भोपाल, 15 जुलाई. एम्स भोपाल में कार्यपालक निदेशक प्रो अजय सिंह के मार्गदर्शन में श्स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल प्रशासनिक अधिकारियों की क्षमता संवर्धन विषय पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ.

यह प्रशिक्षण सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग एवं अस्पताल प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है. जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान अस्पतालों की तैयारियों को सुदृढ़ बनाना है. कार्यक्रम में सामुदायिक एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के प्रमुख ने ऐसे प्रशिक्षण की उपयोगिता को रेखांकित किया. एम्स भोपाल के आपदा प्रबंधन के लिए नामित नोडल अधिकारी ने प्रशिक्षण की पृष्ठभूमि, संरचना और प्रमुख उद्देश्यों की जानकारी साझा की.

आपात स्थितियां केवल नैदानिक नहीं...

मुख्य अतिथि एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ अजय सिंह ने कहा कि आपात स्थितियां केवल नैदानिक नहीं, बल्कि संपूर्ण प्रणाली की चुनौती होती हैं. ऐसे में अंतर विभागीय समन्वय, व्यवहारिक प्रशिक्षण और अस्पताल स्तर पर मॉक ड्रिल जैसी गतिविधियां अत्यंत आवश्यक हैं. यह प्रशिक्षण केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसकी असली परीक्षा फील्ड पर होती है, जहां त्वरित, प्रभावी और समन्वित प्रतिक्रिया जीवन रक्षा में सहायक होती है. उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक संस्थान को एक लचीली, उत्तरदायी और सतत् तैयार रहने वाली स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करनी चाहिए, जो महामारी, प्राकृतिक आपदाओं एवं सामूहिक दुर्घटनाओं जैसी स्थितियों में सशक्त रूप से कार्य कर सके.

एक नजर में

चित्तौड़ काम्पलेक्स में बांटे 125 बेल के पौधे

भोपाल. शहर के चित्तौड़ काम्पलेक्स में मंगलवार को पौधारोपण और पौधा वितरण किया गया. इसके साथ ही यहां पुराने लगाए गए वृक्षों का जन्मदिन मनाया गया. सावन महीने के अवसर पर 125 बिल्व के पौधे वितरित किए गये. लायंस क्लब भोपाल संस्कार द्वारा पेड़ों को जन्मदिन के लिए सजाया गया है. इन पेड़ों को शुभकामनाओं देते हुए इनके स्वस्थ एवं चिरायु होने की कामना की गई. वृक्षों के संरक्षण के लिए उनको कलावा बांध कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया जाता है. इस अवसर पर नगर निगम जोन अध्यक्ष सूर्यकांत गुप्ता, श्याम सुंदर शर्मा, प्रमुख पुरातत्व विद् नारायण व्यास, बृजेंद्र तिवारी, लायन निमिषा कुलश्रेष्ठ सहित लगभग 100 व्यक्ति उपस्थित रहे.

मानस भवन में श्रीरामकथा 26 जुलाई से

भोपाल. तुलसी मानस प्रतिष्ठान मानस भवन में श्रीरामकथा का आयोजन 26 जुलाई से 31 जुलाई तक युगतुलसी पद्मभूषण पं. रामकिंकर उपाध्याय की परमशिष्या मानस पुत्री दीदी मंदाकिनी श्रीरामकिंकर के मुखारविंद से आयोजित की जा रही है. यह पांच दिवसीय आयोजन प्रतिदिन संध्या 6.30 बजे से किया जाएगा. 26 जुलाई को समारोह के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, 27 जुलाई को मुख्य अतिथि निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, 28 जुलाई को महापौर मालती राय, 29 जुलाई को साहित्य अकादमी के निदेशक विकास दवे, 30 जुलाई को समापन दिवस पर मप्र के पूर्व गृह सचिव ओपी श्रीवास्तव होंगे. 30 जुलाई को समापन दिवस पर पुरस्कार वितरण होगा.

कलार समाज का स्थापना दिवस 2 अगस्त को

भोपाल. वरिष्ठ नागरिक मंच कलार समाज के तत्वाधान में 2 अगस्त को सुबह 11 से 3 बजे तक एलएनसीटी जेके हॉस्पिटल परिसर में मंच का 27वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा. मंच की अध्यक्ष कल्पना राय ने बताया कि साथ ही में समाज के बुजुर्गो का सम्मान एवं प्रतिभावान विद्यार्थी (हाईस्कूल, हायर सेकंड्री, ग्रेजुएट, पोस्ट अन्य मैरिड के अनुसार सम्मान, जिनके वैवाहिक जीवन के सफल 50 वर्ष पूर्ण करने वाले दंपतियों का सम्मान किया जाएगा .साथ ही कार्यक्रम में पधारे गए अतिथियों का स्वागत प्रतिवेदन,समाज के जरूरत मन बच्चों को शिक्षा के लिए सहयोग भी किया जाएगा.

एक जिला-एक उत्पाद मप्र को मिला रजत पदक

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में एक जिला-एक उत्पाद योजना के अंतर्गत प्रदेश के उत्पादों की वैश्विक बाजारों में उपस्थिति दर्ज हो रही है. मध्यप्रदेश ने अपनी विशिष्टता और योजनाओं के उत्कृष्ट क्रियान्वयन का प्रमाण प्रस्तुत करते हुए एक जिला एक उत्पाद पुरस्कार 2024 में राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश श्रेणी में रजत पुरस्कार प्राप्त किया. नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित भारत मंडपम में एक भव्य समारोह में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने पुरस्कार प्रदान किया. यह पुरस्कार राज्य में एक जिला एक उत्पाद योजना के प्रभावशाली क्रियान्वयन, स्थानीय उत्पादों के ब्रांड निर्माण, रोजगार सृजन, और ग्रामीण व शहरी उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रदान किया गया. दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि भी इस अवसर पर उपस्थित थे. मध्यप्रदेश की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उद्योग विभाग, वाणिज्य एवं निवेश प्रोत्साहन नीति विभाग की उप सचिव, रूही खान ने प्राप्त किया. एक जिला-एक उत्पाद योजना में म.प्र. के उत्पादों को वैश्विक बाजार मिल रहा है. प्रदेश स्थानीय से ग्लोबल की ओर बढ़ रहा है.

सार्वजनिक स्थान और मंदिरों में पौधे रोपे

पर्यावरण की रक्षा के लिए निरंतर अभियान

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 15 जुलाई. एक पौधा मां के नाम शुभारंभ भोपाल शिक्षा चिकित्सा व्यापार और पर्यावरण के लिए कार्य किया जा रहा है.

इंटरनेशनल संस्था जीतो द्वारा पर्यावरण की रक्षा के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में शहर के सार्वजनिक स्थान और मंदिरों में पौधे रोपे. मप्र और छत्तीसगढ़ के लगभग 576 जोन में यह अभियान चलेगा. भोपाल चैप्टर अध्यक्ष डॉ प्रशांत जैन ने बताया जलवायु और हरियाली मनुष्य की जीवन रेखा लाइफ लाइन है.

इनका संरक्षण और उनके लिए जितना कार्य कर सके. जीतो संस्था पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर यह पौधारोपण का अभियान चलाएगी.

सचिव वैभव चौधरी सीए ने बताया सार्वजनिक स्थलों पर औषधीय पौधे भी वितरित किए जाएंगे. इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी के साथ ही अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी, विजय भंडारी, कमलेश सोजतिया, ललित डांगी, हितेंद्र मेहता, दिलीप जैन सहित सदस्य इस दौरान मौजूद रहे.

बरखेड़ी कला का स्कूल लापरवाही का शिकार

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 15 जुलाई. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सरकारी शिक्षा संस्थानों का सरेआम मजाक बनाया जा रहा है. शिक्षा केंद्र वो पवित्र स्थान हैं, जहां मां सरस्वती की पूजा होतीं हैं और जहां देश का भविष्य तैयार होता है. लेकिन अफ़सोस की बात है कि राजधानी जैसे शहर में भी सरकारी स्कूल राजनीति और लापरवाही का शिकार हो रहे हैं.

ऐसी ही एक खबर सामने आई है शासकीय प्राथमिक शाला बरखेडी कला भोपाल वार्ड 26 से जहाँ पहली से पांचवी तक की शिक्षा दी जाती हैं. लेकिन सामाजिक असहयोग और प्रशासन की लापरवाही के कारण यहाँ के मासूम बच्चों को गंदगी और असुविधाजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करनी पड़ रही है. स्कूल के बाहर गंदी नालिया खुली हुई है और उन नालियों का पानी स्कूल के अंदर जा रहा हैं. बारिश के मौसम में स्कूल के अंदर गंदगी, कीचड़, कचरा सब स्कूल के भीतर ही चला जाता हैं जिससे बीमारियों का खतरा बड़ गया है, बिजली के तार गैर जिम्मेदार तरीके से खुले हुए हैं जिससे हादसा हो सकता हैं.

स्कूल प्रशासन की माने तो उन्होंने कई बार इसकी शिकायत पार्षद, नगर निगम और विधायक से की परंतु कोई जाच नही की गई. स्थानीय नागरिकों का अतिक्रमण भी इस लापरवाही का कारण हैं जो उन नालियों को बनने ही नहीं देते. स्कूल के भीतर पानी की सुविधा भी नही हैं हालांकि विद्यालय परिसर में एक हैंडपंप ज़रूर लगा हुआ है.

सर्वधर्म संत-गुरुओं ने प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

वृक्षारोपण पखवाड़े के तहत रोपे पौधे

भोपाल, 15 जुलाई. मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली एजुकेशन सोसायटी के तत्वाधान में मंगलवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वृक्षारोपण पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत अब तक 500 फल दार पेड़ लगाए गए हैं.

बरकतुल्लाह पब्लिक स्कूल केंपस बदरखा सड़क पर सर्वधर्म पौधारोपण कार्यक्रम में सभी धर्मो के धर्मगुरुओं और समाज सेवियों ने संस्था केंपस में पौधारोपण किया. इस मौके पर प्रमुख रूप से बौद्ध धर्मगुरु शाक्य पुत्र भंते सागर थेरो, ईसाई धर्मगुरु डॉक्टर फादर आनंद मुदुगल, कामरेड शैलेन्द्र शैली, पार्षद लक्षमण राजपूत, ममता दीदी, मौलाना सेफ अगाह, मोहम्मद फहाद, मोहम्मद जहीर, मोहम्मद अहमद, मोहम्मद जुबैर, आरिफ अली, मोहम्मद कलीम, हाजी मोहम्मद इमरान हारून, हाजी हनीफ़ अय्यूबी आदि शामिल थे.

जिसकी सोच बड़ी होती, उसका कोई बैर नहीं होता : मुनि

भोपाल, 15 जुलाई. जिस पेड़ की जड़ में ही कीड़ा है,वह कभी हरा भरा नहीं हो सकता, उसी प्रकार हमारा जीवन है यदि नकारात्मकता का कीड़ा एक वार बैठ जाए, तो वह जीवन हरा भरा नहीं हो सकता ईर्ष्या एक ऐसा ही दुर्गुण है, जो आपके जीवन व्यवहार को खोखला कर रहा है.

यह उद्गार मंगलवाल को अवधपुरी गुरुकुलम में मुनि प्रमाण सागर महाराज ने व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि मुनि श्री ने कहा कि गुरूदेव हमेशा कहा करते थे, जिसकी सोच बड़ी होती है उसका कोई बैर, विरोध नहीं होता.

ईष्या एक ऐसी आग है जो हमारी चेतना को विदग्ध कर अंदर ही अंदर सुलगती रहती है,और हमारी शक्ति को नष्ट कर देती है, उन्होंने कहा कि अपना अपना आंकलन कीजिये कि में कंहा हूँ? मेरी स्थति क्या है? उन्होंने कहा कि सबसे पहले इस बात को जांचिए ईर्ष्या मेरे अंदर है या नहीं?

कार्यभारित सेवा नियमों के प्रावधानों को किया दरकिनार

नवीन नियमों में व्याप्त विसंगतियां दूर कर पुनरीक्षण करने की मांग

भोपाल, 15 जुलाई. कार्यभारित सेवा संवर्ग के भर्ती नियमों में पदोन्नति के अवसरों को समाप्त कर सभी पद सीधी भर्ती में परिवर्तित करके अवैधानिक रूप से भर्ती किए जाने का राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ ने विरोध जताया है.

संघ के प्रांताध्यक्ष शील प्रताप सिंह पुंढीर का कहना है कि सरकार कर्मचारियों के साथ न इंसाफी कर रही है. कार्यभारित सेवा के सहायक ग्रेड 2 पदोन्नति के पद पर अनियमित रूप से सीधी भर्ती कर रही है. जो हमें कतई मंजूर नहीं है. हम इसका पूरा विरोध करते हैं. कार्यभारित कर्मचारियों को अवकाश नगदीकरण के लाभ से वंचित किया जा रहा है. कर्मचारियों की ऐसी अनेक समस्याएं हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है. इन मांगों के निराकरण को लेकर राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ के प्रांताध्यक्ष शील प्रताप सिंह पुंढीर के नेतृत्व में सियाराम नेगी, जिलाध्ययक्ष प्रणव खरे, संजीव संतानी और खंडवा तथा मंदसौर से शामिल पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव पी नरहरि के नाम अवर सचिव अभिषेक सिंह को ज्ञापन सौंपा.

संघ के पदाधिकारी सियाराम नेगी और प्रणव खरे ने बताया कि जब राज्य सरकार द्वारा कार्यभारित संवर्ग में नियमित की भांति क्रमोन्नति, प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ उच्चतर समयमान वेतनमान का लाभ प्राप्त हो रहा है, तो पदोन्नति के लाभ से वंचित क्यों किया जा रहा है? अवर सचिव ने ज्ञापन में उल्लेखित मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया गया है.

निर्देश | महापौर राय ने अधिकारियों से कहा-डेंगू, मलेरिया की रोकथाम के लिए उठाएं जरूरी कदम

अधिकारी ध्यान दें, गड्ढों में जमा नहीं हो पानी

महापौर ने निगम के स्वास्थ्य विभाग को दिए सख्त निर्देश

भोपाल, 15 जुलाई. महापौर मालती राय ने निर्देशित किया है कि डेंगू, मलेरिया एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें और बीमारियों से बचाव के लिए नागरिकों में जन जागरूकता उत्पन्न करने के लिए व्यापक कार्यवाही भी की जाए.

महापौर राय ने यह निर्देश निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की आहूत बैठक में दिए. बैठक में अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चैहान, महापौर परिषद के सदस्य आरके सिंह बघेल, सहायक आयुक्त कीर्ति चैहान के अलावा प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी व सहायक स्वास्थ्य अधिकारीगण सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे.

महापौर मालती राय ने मंगलवार को आईएसबीटी स्थित महापौर कार्यालय के सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक आहूत की. महापौर राय ने मलेरिया विभाग एवं नगर निगम के समन्वय से किए जाने वाले कार्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की और निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु में डेंगू, मलेरिया जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए प्रभावी कार्यवाही करते हुए साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर ढंग से कराने, गड्ढों आदि में पानी को जमा न होने देने, जमा पानी में आवश्यकतानुसार रसायनों, दवाओं का छिड़काव कराने, डेंगू, मलेरिया को फैलने से रोकने के लिए अभियान के रूप में घर-घर जाकर लार्वा, साफ-सफाई आदि की जांच करने के निर्देश दिए.

महापौर राय ने नागरिकों को डेंगू, मलेरिया फैलने के कारणों की भली प्रकार से जानकारी देकर बचाव हेतु आवश्यक उपाय के संबंध में समझाइश देने के निर्देश दिए. महापौर राय ने निर्देशित किया कि नागरिकों को पानी की टंकियों, घडों व अन्य बर्तनों, कूलर आदि का पानी निरंतर बदलते रहने, पुराने टायरों, गमलों आदि में पानी जमा न रहने देने तथा बीमार होने पर तत्काल चिकित्सक से परामर्श करने के लिए समझाइश देने के निर्देश भी दिए.

मैकेनाइज्ड भोजन प्रणाली से रोजगार छिनने का डर

स्व सहायता समूहों ने दी हड़ताल की चेतावनी विधायक को सौंपा ज्ञापन

भोपाल, 15 जुलाई. प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ द्वारा बैरसिया विधायक विष्णु खत्री को ज्ञापन सौंपा गया है. प्रदेश में संचालित पोषण आहार एवं मध्यान्ह भोजन योजना में वर्षो से कार्यरत, स्थानीय महिला स्व-सहायता समूह एवं रसोइया बहनें निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य कर रही हैं.

नगरीय क्षेत्रों में मैकेनाइज्ड केन्द्रीयकृत किचन स्थापित करने की योजना प्रस्तावित की गई है. जिससे स्व सहायता समूहों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ की प्रदेश मीडिया प्रभारी कौसर कुरैशी ने बताया कि मैकेनाइज्ड भोजन प्रणाली से स्थानीय समूहों का रोजगार समाप्त होगा. साथ ही मशीनों से बना भोजन बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है,

वर्तमान में स्व सहायता समूहों एवं रसोइया बहनों को 2 से 4 माह देरी से भुगतान किया जाता है, जिससे वे कर्ज लेकर कार्य करने को मजबूर हैं. हमारी मांग है कि हर माह की निश्चित तिथि पर भुगतान एवं खाद्यान वितरण सुनिश्चित किया जाए. समूह वालों को पैसे एवं खाद्यान्न बहुत कम मिलता है. पोर्टल के मान से राशि एवं खाद्यान्न दिया जाए. आशंका है कि खाद्यान्न में कहीं ना कहीं गड़बड़ी हो रही है.